|  |
| --- |
| 22. Dezember 2024 |
| **4. Adventssonntag C**  |
| Erste Lesung: Mi 5,1-4a; Zweite Lesung: Hebr 10,5-10; Evangelium: Lk 1,39-45 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 724, 1+2+4 | Tauet Himmel, den Gerechten |
|  | GL 223, 4 | Wir sagen euch an |
|  | GL 231 | O Heiland, reiß die Himmel auf |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 158 | Tau aus Himmelshöhn |
|  | GL 163, 3 | Herr Jesus |
|  | GL 224, 1-3 | Maria durch ein Dornwald ging |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 80,2ac u. 3bc.15-16.18-19 |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 46, 1 | Lass dein Angesicht |
|  | GL 234, 1 oder 2 | Ihr Himmel / Rorate caeli |
|  | GL 633, 3 | Hebt euch, ihr Tore |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 227, 1-3 | Komm, du Heiland aller Welt |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Maria sagte:* |
|  | *Siehe, ich bin die Magd des Herrn;* |
|  | *mir geschehe nach deinem Wort.* |
|  |  |
| Credo: | sprechen |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 824! | Maria ging hinaus |
|  | GL 537 | Ave Maria |
|  | GL 527 | Ave Maria zart |
|  | GL 224 | Maria durch ein Dornwald ging |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 200 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 218, 5 | Komm, o mein Heiland |
|  | GL 236, 1-3 | Es kommt ein Schiff |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 230, 1-6 | Gott, heilger Schöpfer |
|  | im Wechsel V/A |  |
|  | GL 357, 1+2 | Wie schön leuchtet der Morgenstern |
|  | GL 222, 1+7+9 | Herr, send herab uns deinen Sohn |
| Schluss: | GL 530, 1+4 | Maria, Mutter unsres Herrn |
|  | GL 528, 1-3 | Ein Bote kommt |